Date:

UG study material for students of History

Subject : History

Class : U.G Semester IV

Paper : MJC-06

Topic : Napoleonic Impact on European Nations (यूरोपीय देशों पर नेपोलियन का प्रभाव) : I

By : Dr. Rajiv Nayan
Associate Professor,
Dept. of History,
Jagjiwan College, Ara.

Scanned by CamScanner

Date:

यूरोपीय देशों पर नेपोलियन का प्रभाव: I
(Napoleonic Impact on European Nations: I

1799 ई० से 1815 ई० तक यूरोप का इतिहास नेपोलियन की जीवनी माना जाता है। इस अवधि में नेपोलियन ने पूरे यूरोप के भाग्य का निर्माण किया। इसलिए इस अवधि को 'नेपोलियन का युग' कहा जाता है। उसने ब्रिटेन को छोड़कर सारे यूरोप पर अपना आधिपत्य स्थापित किया, फ्रांस की क्रान्ति के सिद्धांतों का प्रचार किया, यूरोपीय देशों की सीमाओं में परिवर्तन किया, आश्रित प्रदेश के राजाओं को बदल दिया और यूरोप के समाज, राजनीति, अर्थव्यवस्था और धर्म में दूरगामी सुधार किये। दूसरे शब्दों में कहें तो उसने पूरे यूरोप के जीवन-तंत्र में अनेकानेक परिवर्तनों को अंजाम दे डाला।

सामान्यतः नेपोलियन की अधीनता में यूरोपीय राज्यों को चार चरणों से गुजरना पड़ा। सैनिक विजय और अधिग्रहण पहला चरण था। स्थानीय लोगों की सहायता से देशी आश्रित राज्यों की स्थापना दूसरा चरण था। कुछ क्षेत्रों को सिर्फ इन्हीं दो चरणों से गुजरना पड़ा। लेकिन, जर्मनी और इटली को तीसरे चरण से गुजरना पड़ा जहाँ फ्रांस में नेपोलियन के सुधार के आधार पर महत्वपूर्ण आंतरिक सुधार और पुनर्गठन हुए।

Scanned by CamScanner

बेल्जियम और राइन के पश्चिमी क्षेत्रों को चौथे चरणों से भी गुजरना पड़ा; क्योंकि फ्रांस के बाहर क्रांति का सबसे अधिक प्रभाव यहीं दिखाई देता है।

फ्रांसीसी क्रांति का यूरोप में प्रचार-प्रसार

फ्रांसीसी क्रांति के पौधों को फ्रांस की भूमि से उखाड़कर यूरोप के अन्य देशों में लगाना नेपोलियन की एक अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जायेगी। इसके फलस्वरूप यूरोप का कायाकल्प ही हो गया। दूसरे देशों के वे प्रदेश जो सीधे फ्रांसीसी साम्राज्य में मिला लिये गये थे, उनमें वैसी ही संस्थाएँ स्थापित की गयीं जो फ्रांस में प्रचलित थीं। आश्रित राज्यों में भी नेपोलियन ने फ्रांसीसी शासन और आर्थिक व्यवस्थाएँ लागू करने के प्रयास हुए। विजित प्रदेशों में कम्मी प्रथा का पूर्ण उन्मूलन कर दिया गया तथा सामंती व्यवस्था की अन्य विशेषताएँ भी समाप्त कर दी गईं। चर्च के साथ भी कड़ाई का व्यवहार किया गया और प्रगति के मार्ग में इसे बाधक नहीं बनने दिया गया। चर्च के साथ जो नीति फ्रांस में बरती गयी थी, संपूर्ण साम्राज्य में उसी नीति को लागू किया गया। चर्च की

कचहरियों को समाप्त कर दिया गया। 'टाइथ' नामक धार्मिक कर भी उठा दिया गया। चर्च की संपत्ति जब्त कर ली गयी। धार्मिक सहिष्णुता की नीति को मान्यता दी गयी। सभी धर्मावलम्बियों को नागरिक अधिकार प्रदान किये गये। इस प्रकार, विजित प्रदेशों में नेपोलियन के कार्यों के फलस्वरूप धर्मनिरपेक्षवाद की जड़ें कायम हुईं।

फ्रांसीसी शासन द्वारा लागू किये गये अधिक योग्य अन्य सुधारों से फ्रांसीसी प्रशासनिक संस्थाओं, अधिक समान कानून, करों का समान वितरण तथा साम्राज्य के अन्तर्गत रहने वाली विजित जातियों को बहुत सारे लाभ पहुँचे। कर लगाने तथा कर वसूलने के तरीकों को अधिक न्यायपूर्ण तथा कुशल बनाया गया। हर जगह राजकीय पदों पर नियुक्ति के लिए प्रतिभा के सिद्धांत को मान्यता मिली। प्राचीन तथा बहुरूपी कानूनी व्यवस्थाओं की जगह 'नेपोलियन कोड' ने ली। सभी अधिकारियों के वेतन में पर्याप्त वृद्धि हुई, ताकि भ्रष्टाचार का प्रकोप घटे। राजाओं को नागरिक सूची में शामिल किया गया और उनके निजी व्यय को सरकारी खर्चों से अलग कर दिया गया। करों तथा अर्थव्यवस्था का आधुनिकीकरण किया गया। जमीन पर लगाया कर एक सामान्य कर बन गया जिसे हर भूमिपति को अदा करना

पड़ता था। हिसाब-किताब रखने तथा अंकेक्षण की नयी विधियाँ लागू की गयीं। संक्षेप में, नेपोलियन के विजय-अभियानों की अवधि में आधुनिकीकरण की आँधी-सी सारे यूरोप में चल पड़ी। सदियों से एकत्र हुई पुरानी व्यवस्थाओं की धूल से निर्मित पहाड़ को पश्चिमी यूरोप में झकझोर कर हिला दिया गया। उनमें जो उखाड़ फेंके गये, उन्हें पुनः कभी स्थापित नहीं किया जा सका। यदि फ्रांस की क्रांति ने यूरोप को उबालने वाले कड़ाह में डाल दिया तो नेपोलियन ने इस निश्चय के साथ इसे अच्छी तरह हिलाया-डुलाया कि अधिकांश गन्दगी दूर हो जाय तथा यूरोप को एक स्वच्छ और सुन्दर आकार प्राप्त हो जाय। सामान्यतः, महान साम्राज्य के विजित राज्यों में फ्रांसीसी क्रांति के मुख्य सिद्धांतों में से कुछ को नेपोलियन द्वारा अवश्य ही लागू किया गया। नेपोलियन का प्रभाव संपूर्ण यूरोप पर छा रहा था; क्योंकि उसने प्रबुद्ध निरंकुशता के पुराने आन्दोलन को जारी रखा तथा वह बिना हिंसा और अव्यवस्था के फ्रांसीसी क्रांति के लाभों को प्रदान करता दीख पड़ा। गोटे की दृष्टि में, "नेपोलियन क्रांति के आन्दोलन में जो कुछ भी तार्किक, वैधानिक तथा यूरोपीय था; उन सबकी अभिव्यक्ति था।"